

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून-2010

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-II

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (गणित ज्योतिष)

1. हैदराबाद में 6 जून 2010 को 11:30 बजे जन्मे जातक के लिए लग्न व अन्य सभी ग्रहों के भोगांश की गणना करें।
2. षड्वर्ग क्या हैं? निम्न कुण्डली के लिए षड्वर्ग बनाए :-
लग्न-सिंह 14:36, सूर्य-सिंह 3:49, चन्द्र-सिंह 17:08
मंगल-कन्या 1:11, बुध-सिंह 28:33, गुरु-सिंह 12:10
शुक्र-सिंह 18:39, शनि-मिथुन 14:12, राहु-कर्क 4:09
केतु-मकर 4:09, दशम भाव - वृषभ 14:56
3. प्र. 2 में दिए जन्मांग के लिए भाव संधि व भाव मध्य के अंश ज्ञात करें व भाव कुण्डली बनाएं।
4. निम्न के संक्षिप्त में उत्तर दें :-
क. राशि कुण्डली व भाव कुण्डली ख. सायन व निरायन वर्ष
ग. जन्म राशि व जन्म नक्षत्र छ. लग्न व दशम भाव
5. निम्न का कारण सहित उत्तर दें।
क. मध्य रात्रि में जातक की कुण्डली में सूर्य किस भाव में होगा?
ख. एक जन्मांग में बुध मिथुन राशि में है। यह किस नक्षत्र में होना चाहिए ताकि यह वर्गोत्तम हो।
ग. एक जन्मांग में सूर्य राशि व नवांश में नीच का है। सूर्य किस नक्षत्र में है?
छ. एक जन्मांग में, चन्द्र भरणी के द्वितीय चरण में है। जन्म के समय दशानाथ व उसकी न्यूनतम व अधिकतम दशा अवधि बताएं।
ड. एक व्यक्ति को जन्म पर गुरु महादशा के 3 वर्ष प्राप्त हुए। चन्द्रमा किस नक्षत्र व पद में है?

भाग-II (फलित ज्योतिष)

6. निम्न जन्मांग के आधार पर दिए गए प्रश्नों का उत्तर दें :-
लग्न - कन्या 24:47, सूर्य - मिथुन 13:16, चन्द्रमा - मीन 10:33
मंगल - कर्क 13:22, बुध (व) - मिथुन 27:40, गुरु - कन्या 20:06
शुक्र - मेष 27:40, शनि - सिंह 26:26, राहु - तुला 1:26
क. लग्न व सभी ग्रहों के नक्षत्र व पद बताएं।
ख. लग्नेश कौन सा ग्रह है? वह निचाभिलाषी है या उच्चभिलाषी?
ग. इस जन्मांग में बाधक स्थान कौन से हैं? बाधक स्थान अधिपति किस भाव में है?
घ. सूर्य द्वारा कौन से योग बन रहे हैं?
ड. चन्द्रमा द्वारा कौन से योग बन रहे हैं?
7. पंच महापुरुष योग समझाएं। क्या उपरोक्त जन्मांग में कोई पंच महापुरुष योग विद्यमान है?
8. संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :-
क. केन्द्र स्थान ख. त्रिकोण स्थान
ग. अपचय व उपचय स्थान घ. त्रिषडायाधिपति ड. दुःस्थान
9. कन्या व तुला लग्न के लिए कारण सहित शुभ व अशुभ ग्रह बताएं।
10. क. गुरु के धनु व मकर में स्थित होने के क्या परिणाम हैं?
ख. वृषभ व सिंह लग्न के क्या फल हैं?